

उत्तर प्रदेश रोज़गार देने में देश में अव्वल

चर्चा में क्यों?

12 दिसंबर, 2022 को ग्राम्य विकास विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (मनरेगा) में उत्तर प्रदेश ने देश में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। मानव दविस सृजन में और 100 दविस का पूरण रोज़गार उपलब्ध कराने में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

प्रमुख बदि

- ग्राम्य विकास विभाग के अनुसार वत्तीय वर्ष 2022-23 के लिये रोज़गार सृजन के तहत वार्षिक लक्ष्य 2600 लाख मानव दविस के मुकाबले 62 लाख मानव दविस सृजति किये गए हैं। वत्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश ने 7809.74 करोड़ रुपए की धनराशिव्यय की है।
- वत्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश ने 53 लाख परिवारों को रोज़गार दया है। यही नहीं वत्तीय वर्ष 2022-23 में 2,77,878 परिवारों को 100 दविस का पूरण रोज़गार उपलब्ध कराया गया है और 100 दविस का पूरण रोज़गार उपलब्ध कराने में उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है।
- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वभिगीय अधिकारियों को नरिदेश दये हैं कभिनरेगा अभसिरण (कन्वर्जेंस) के अंतरगत कराए जाने वाले कार्यों के लिये लाइन वभिगों की प्रभावी सहभागिता व फील्ड स्तर पर अभसिरण की आवश्यकता के मद्देनज़र ठोस कदम उठाएँ। इसके साथ ही मनरेगा कन्वर्जेंस के तहत प्रगती बढ़ाई जाए।
- गौरतलब है कभिनरेगा अभसिरण (कन्वर्जेंस) के तहत वर्ष 2022-23 में 97 करोड़ रुपए का वत्तीय लक्ष्य रखा गया है।
- मनरेगा कन्वर्जेंस के तहत श्रम, एसआरएलएम, भूगर्भ जल विभाग, लोक नरिमाण विभाग, पंचायती राज, उद्यान, परती भूमि विकास, बेसकि शिक्षा, पशुपालन, युवा कल्याण, रेशम, कृषि रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर, बाल विकास एवं पुष्टाहार, ग्रेटर शारदा सहायक, ग्रामीण अभयितरण डेरी, सचिाई, लघु सचिाई आदिलगभग 24 से अधिक वभिगों द्वारा कार्य कराया जाता है।
- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संबंधति अधिकारियों को नरिदेश दये हैं कभिनरेगा के तहत जनि श्रमकों ने 90 दनि मनरेगा में कार्य कया है, उन्हें बीओसीडब्ल्यू बोर्ड (श्रम विभाग) में पंजीकरण कराते हुए श्रम विभाग की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वति कराया जाए।